

Daily Current Affairs

Date : 12 November, 2025



अनुक्रमणिका

क्र. सं.	टॉपिक का नाम
1.	अलवर में ग्रेप-3 के प्रावधान लागू
2.	6th 'राष्ट्रीय जल पुरस्कार, 2025 : राजस्थान को 15 वाँ स्थान
3.	एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स (राजस्थान पुलिस) : लोगो
4.	राम जल सेतु लिंक परियोजना
5.	राजस्थान राज्य महिला नीति 2021 : जेण्डर संवेदनशीलता मॉड्यूल का विकास
6.	60 वीं स्टेट जियोलोजिकल प्रोग्रामिंग बोर्ड : मिनरल अन्वेषण
7.	न्यूज़ इन शॉर्ट्स 1. 'चरागाह प्रबंधन एवं विलायती बबूल उन्मूलन' पर राज्य स्तरीय कार्यशाला 2. राजस्थान इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल (रिफ) 3. चरक पुरस्कार, 2025 : डॉ. हर्ष पांडे 4. अंतरराष्ट्रीय एस्ट्रो वास्तु कॉन्फ्रेंस, 2025 5. पश्चिम-मध्य क्षेत्रीय युवा महोत्सव-2025 6. आभा आईडी का उपयोग अनिवार्य, राजस्थान देश में तीसरे स्थान पर 7. EAR का वाटर हार्वेस्टिंग के लिए स्पेस से समझौता 8. 44वीं जूनियर नेशनल शूटिंगबॉल चैम्पियनशिप 9. लाभकैल्क : राजस्थान का पहला इंसेंटिव कैलकुलेटर
8.	क्रिसमस द्वीप
9.	रिफ्ट वैली फीवर (RVF)
10.	मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल
11.	जलवायु निवेश कोष (CIF)
12.	फार्मा-मेडटेक क्षेत्रक में अनुसंधान और नवाचार को संवर्धन (PRIP) योजना
13.	डंपसाइट रीमेडिएशन एक्सेलरेटर प्रोग्राम
14.	आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (पीएलएफएस) रिपोर्ट
15.	मालाबार अभ्यास
16.	मित्र शक्ति अभ्यास
17.	वी. राजारमन: भारत की प्रोग्रामिंग क्रांति के वास्तुकार

--:1:--

मुख्य बिन्दु:

- ग्रेप-3 के प्रावधानों की पालना सुनिश्चित कराने हेतु विभिन्न गतिविधियां पर पाबंदी लगाई गई है।
- 1. प्रदूषणकारी व धूल के कणों के उत्सर्जन वाली निर्माण गतिविधियाँ पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगी, जिसमें मिट्टी खुदाई, बोरिंग एवं ड्रीलिंग कार्य, पाइलिंग कार्य, सभी डिमोलेशन कार्य, ओपन ट्रेच प्रणाली द्वारा किये जाने वाले कार्य, ईट चिनाई का कार्य, आरएमसी बैचिंग प्लांट का संचालन, वैल्डिंग व गैस कटिंग कार्य, पेंटिंग, पोलिशिंग व वारनिशिंग का कार्य, मरम्मत कार्य, वाटर प्रूफिंग कार्य सहित अन्य धूल कण उत्सर्जन वाले कार्य शामिल हैं।
- 2. स्टोन क्रेशर उद्योग, खनन एवं उससे संबंधित गतिविधियों पर भी पूर्णतः प्रतिबंध लगाया गया।
- 3. EV, CNG व BS-6 डीजल के अलावा NCR राज्यों से आने वाली अन्तरराज्यीय बसों का दिल्ली में प्रवेश अनुमत नहीं होगा।
- इसमें नगर निगम को सड़कों की नियमित सफाई मैकेनिकल स्वीपिंग मशीन के माध्यम से कराने तथा सफाई के आवृत्ति बढ़ाना तथा RTO, पुलिस, UIT, रीको व नगर निगम को प्रतिदिन भारी यातायात वाले मार्गों पर एवं हॉट स्पॉट पर पीक ट्रेफिक के समय से पूर्व डस्ट को दबाने के लिए पानी का छिड़काव करना, एकत्रित धूल मिट्टी का उचित निस्तारण तथा जन यातायात सेवाओं को बढ़ाना आदि शामिल हैं।

अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु:

ग्रेडेड रिस्पॉन्स एक्शन प्लान (GRAP) :

- **परिचय :** GRAP एक पूर्व-निवारक और आपातकालीन ढाँचा है जिसे दिल्ली-NCR क्षेत्र में वायु प्रदूषण के स्तर को नियंत्रित करने और कम करने के लिये डिज़ाइन किया गया है।

Daily Current Affairs

Date : 12 November, 2025



- **आधार** : इसे एम.सी. मेहता बनाम भारत संघ (वर्ष 2016) मामले में भारत के सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों के तहत तैयार किया गया था।
- **लागू** : वर्ष 2017
- **कार्यान्वयन** : पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय राज्य प्राधिकरणों के समन्वय से वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (CAQM) द्वारा।
- **उद्देश्य** : GRAP बढ़ते प्रदूषण स्तर पर एक क्रमबद्ध, समन्वित और समयबद्ध प्रतिक्रिया सुनिश्चित करता।
- **चरण** : योजना में वायु गुणवत्ता सूचकांक (AQI) के स्तर के आधार पर प्रदूषण प्रतिक्रिया उपायों को चार चरणों में वर्गीकृत किया गया है।

चरण	AQI	मानदंड
चरण I	खराब (AQI 201-300)	बुनियादी प्रदूषण नियंत्रण उपाय जैसे सड़क धूल प्रबंधन और वाहन PUC (प्रदूषण नियंत्रण) मानदंडों को लागू करना।
चरण II	बहुत खराब (AQI 301-400)	डीजल जनरेटर के उपयोग को सीमित करने और प्रदूषण हॉटस्पॉट में संचालन को नियंत्रित करने जैसी सख्त कार्रवाई।
चरण III	गंभीर (AQI 401-450)	विशिष्ट वाहनों, निर्माण गतिविधियों पर प्रतिबंध लगाता है तथा दूरस्थ शिक्षा के उपायों की अनुमति देता है।
चरण IV	गंभीर+ (AQI > 450)	भारी वाहनों के प्रवेश पर प्रतिबंध, स्कूलों को बंद करना और गैर-आवश्यक उद्योगों को बंद करना।

--:4:--

6th 'राष्ट्रीय जल पुरस्कार, 2025 : राजस्थान को 15 वाँ स्थान

चर्चा में क्यों?

- 11 नवम्बर, 2025 को जल संचयन और जन भागीदारी में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए राजस्थान का चयन देश के तीन सर्वश्रेष्ठ राज्यों में तृतीय श्रेणी में किया गया है।



मुख्य बिन्दु:

- घोषणा** : जल शक्ति मंत्रालय के अंतर्गत जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग (DOWR, RD & GR) ने वर्ष 2024 के लिए छठे राष्ट्रीय जल पुरस्कारों के लिए संयुक्त विजेताओं सहित 46 विजेताओं की घोषणा की।
- पुरस्कार समारोह** : 18 नवंबर, 2025 को विज्ञान भवन, नई दिल्ली में आयोजित किया जाएगा।
- सर्वश्रेष्ठ राज्य की श्रेणी में प्रथम स्थान महाराष्ट्र को, गुजरात को दूसरा और हरियाणा को तीसरा स्थान प्राप्त हुआ।
- शुरुआत** : वर्ष 2018
- उद्देश्य** : जल संरक्षण के बारे में जागरूकता बढ़ाना और सरकार के 'जल समृद्ध भारत' दृष्टिकोण के अनुरूप जमीनी स्तर के प्रयासों को सामने लाना।

--:5:--

Daily Current Affairs

Date : 12 November, 2025



राजस्थान का प्रदर्शन :

- राजस्थान का जल संचयन और जन भागीदारी में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए देश के तीन सर्वश्रेष्ठ राज्यों में चयन किया गया।

श्रेणी	राजस्थान का प्रदर्शन : ओवरऑल कैटेगरी में 15वाँ स्थान		
	संस्थान/ व्यक्ति	रैंक/स्थान	
सर्वश्रेष्ठ संस्थान (स्कूल/कॉलेज के अलावा) (इनसाइड-कैंपस श्रेणी)	बिरला प्रौद्योगिकी एवं विज्ञान संस्थान, पिलानी	दूसरा (संयुक्त)	
सर्वश्रेष्ठ जल उपयोगकर्ता संघ (WUA)	खरलान WUA, श्री गंगानगर	तीसरा	
सर्वश्रेष्ठ नागरिक समाज	अंबुजा फाउंडेशन, जयपुर	दूसरा	
जल क्षेत्र में उत्कृष्टता के लिए सर्वश्रेष्ठ व्यक्ति ; पश्चिम क्षेत्र	बजरंग लाल जैथू	प्रथम	

जल संचयन और जन भागीदारी में उत्कृष्ट प्रदर्शन की श्रेणी में राजस्थान के जिलों का प्रदर्शन :

श्रेणी	जिले	पुरस्कार राशि
प्रथम श्रेणी	भीलवाड़ा और बाड़मेर	2 करोड़ रुपये
द्वितीय श्रेणी	जयपुर और उदयपुर	1 करोड़ रुपये
तृतीय श्रेणी	अलवर, झुंजरपुर, बारां, चित्तौड़गढ़ और सीकर	25 लाख रुपये

--6--

एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स (राजस्थान पुलिस) : लोगो

चर्चा में क्यों?

- 11 नवम्बर, 2025 को पुलिस मुख्यालय सभागार में राजस्थान पुलिस की एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स (ANTF) ने अपने लोगो का विमोचन किया।



मुख्य बिन्दु:

नशे के खिलाफ सशक्त प्रतिबद्धता का प्रतीक -

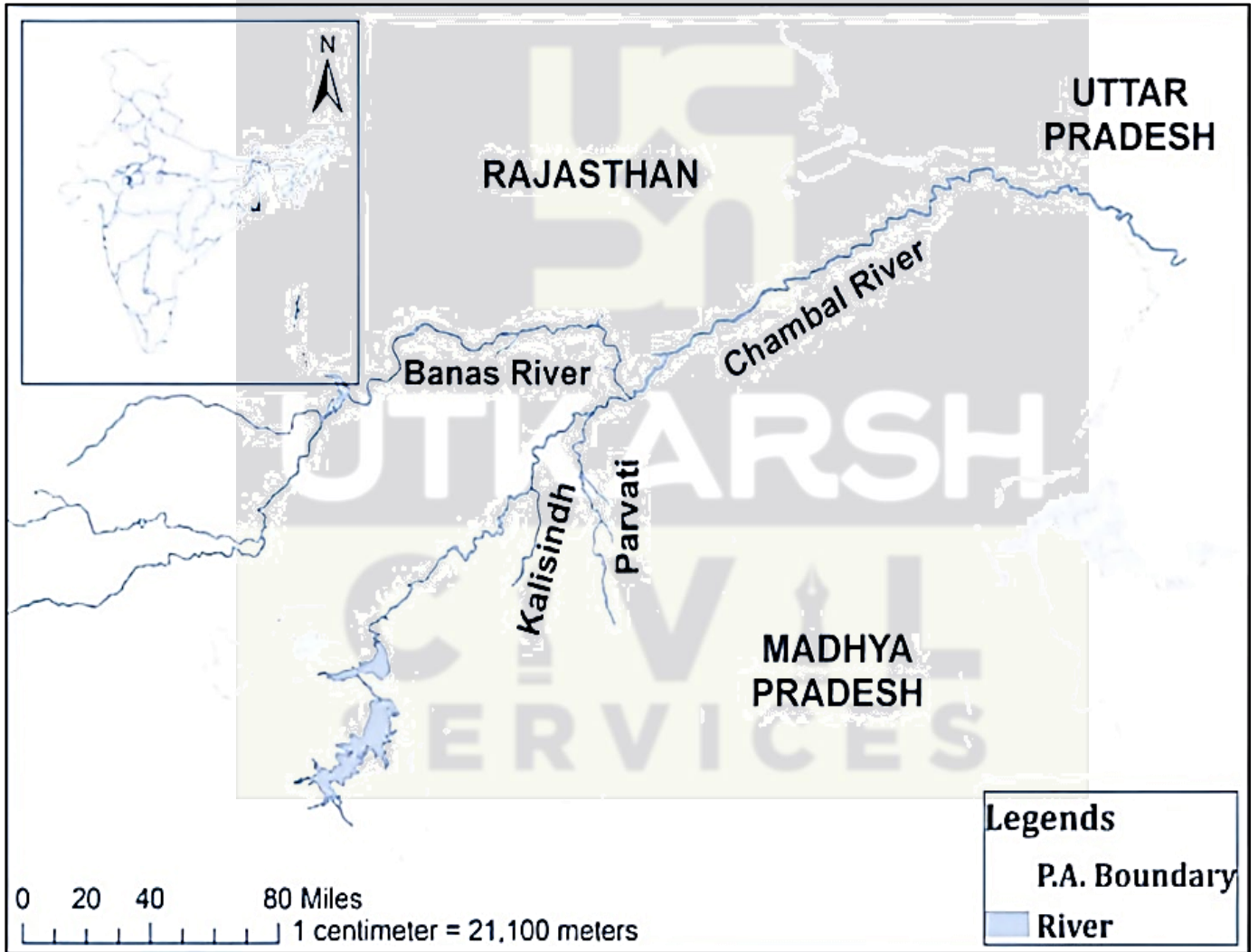
- नया लोगो राजस्थान पुलिस की नारकोटिक्स विरोधी मुहिम को सशक्त और संगठित पहचान देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। यह लोगो नशे के खिलाफ पुलिस की "संकल्प, समर्पण और सतर्कता" की भावना को प्रतीकात्मक रूप से दर्शाता है।
- एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स नशे की आपूर्ति श्रृंखला को तोड़ने, अवैध तस्करी पर नियंत्रण और युवाओं को नशे से दूर रखने के लिए निरंतर अभियान चला रही है।
- वर्ष 2025 में राजस्थान में नशे के बढ़ते कारोबार और तस्करी पर नियंत्रण पाने के लिए राज्य पुलिस ने एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स (ANTF) का गठन किया गया था।



राम जल सेतु लिंक परियोजना

चर्चा में क्यों?

- 11 नवम्बर, 2025 को राजस्थान के जल संसाधन मंत्री ने राम जल सेतु लिंक परियोजना राजस्थान (ERCPC से एकीकृत) के प्रगतिरत कार्यों की समीक्षा की।



मुख्य बिन्दु:

- राम जल सेतु लिंक परियोजना के कार्यों की प्रगति की रियल टाइम मॉनिटरिंग द्वारा समीक्षा की जाएगी, जिससे कार्यों की प्रगति, समयबद्धता और गुणवत्ता की सतत् निगरानी संभव हो सकेगी।

14 हजार 600 करोड़ रुपए के 5 कार्यों की समीक्षा :

1. ईसरदा से रामगढ़ बांध जयपुर तक फीडर निर्माण
 2. ईसरदा से खुरा चैनपुरा से बंधबारेठ भरतपुर तक फीडर निर्माण
 3. मोरसागर कृत्रिम जलाशय निर्माण
 4. बीसलपुर से मोरसागर कृत्रिम जलाशय तक फीडर निर्माण
 5. खुरा चैनपुरा से जयसमंद अलवर तक फीडर निर्माण तथा ब्राह्मणी बैराज का निर्माण
- जल संसाधन मंत्री की अध्यक्षता बैठक में रामगढ़, महलपुर बैराज एवं नवनेरा पंप हाउस के निर्माण, नवनेरा बैराज पर डिलीवरी सिस्टर्न से मेज एनीकट के डूब क्षेत्र तक संरचना निर्माण एवं चम्बल नदी पर एक्वाडक्ट का निर्माण, मेज एनीकट पर इनटेक के साथ पंप हाउस निर्माण आदि करीब 9 हजार 500 करोड़ रुपए के कार्यों की समीक्षा की गयी। बैठक में बताया गया कि रामगढ़ बैराज, महलपुर बैराज, चम्बल एक्वाडक्ट एवं फीडर निर्माण के कार्य प्रगतिरत है, इन्हें समयबद्ध रूप से पूर्ण किया जायेगा।
 - राज्य के नागरिकों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध हो, साथ ही कृषि कार्यों हेतु सिंचाई जल की उपलब्धता भी सुनिश्चित हो, इसी दिशा में राज्य सरकार यमुना जल साझेदारी और राम जल सेतु लिंक जैसी परियोजनाओं को मिशन मोड में आगे बढ़ा रही है। इन प्रयासों से राजस्थान को जल आत्मनिर्भर राज्य बनाने का लक्ष्य पूरा किया जा सकेगा।

अन्य महत्त्वपूर्ण बिन्दु :

राम जल सेतु लिंक परियोजना :

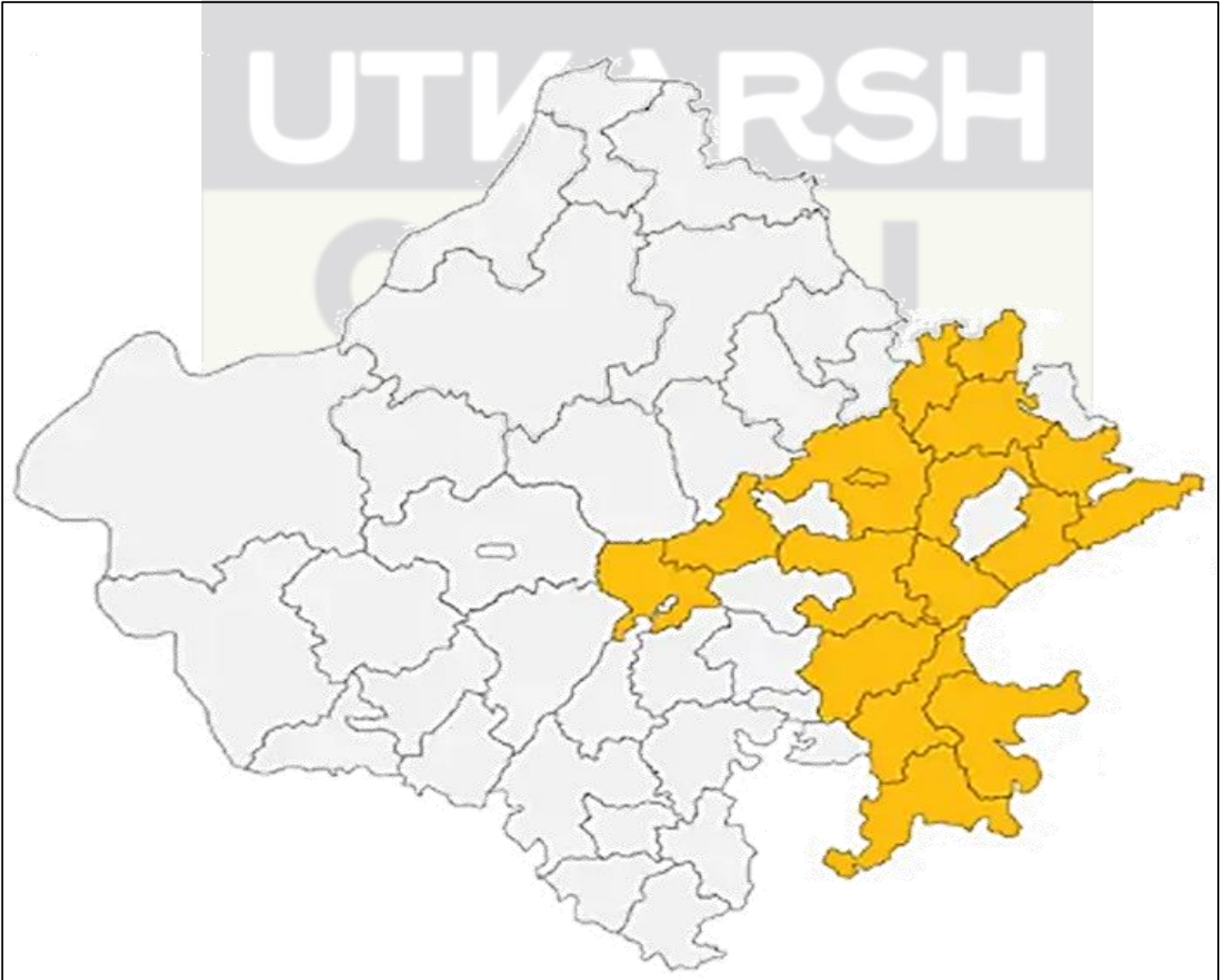
- **परिचय :** यह एक अंतर्राज्यीय नदी जोड़ी परियोजना है, जिसका उद्देश्य राजस्थान और मध्य प्रदेश के मध्य जल संसाधनों को संतुलित करना है।
- यह परियोजना चंबल नदी और उसकी सहायक नदियों - कुन्नू, कूल, पार्वती और कालीसिंध के अधिशेष जल को बनास, मोरेल, बाणगंगा, रूपारेल, पार्वती और गंभीर नदी बेसिनों में भेजा जाएगा।
- **पूर्व नाम :** PKC-ERCP; पार्वती-कालीसिंध-चंबल-पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना।
- **नया नाम :** 22 जनवरी, 2025 को राजस्थान और मध्य प्रदेश की जनभावना के अनुरूप राजस्थान के 'रा' और मध्य प्रदेश के 'मा' को मिलाकर लिंक परियोजना का नाम 'राम जल सेतु लिंक परियोजना' रखा गया।
- **परियोजना की अवधि :** वर्ष 2054 तक।

Daily Current Affairs

Date : 12 November, 2025



- **समझौता ज्ञापन** : इस संबंध में राजस्थान, मध्य प्रदेश और केंद्र सरकार के मध्य दिसंबर, 2024 में समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।
- नए समझौते के तहत यह 5.80 लाख हेक्टेयर होगा - (राजस्थान: 2.80 लाख और मध्य प्रदेश: 3 लाख)।
- **लोकार्पण** : प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी 17 दिसम्बर, 2024 को जयपुर के दादिया गांव में रामजल सेतु लिंक परियोजना के प्रथम चरण में 1 हजार 60 करोड़ रुपये की लागत से कालीसिंध पर निर्मित नवनेरा बैराज का लोकार्पण किया।
- **उद्देश्य** : इसके तहत दक्षिण राजस्थान में चंबल नदी और उसकी सहायक नदियों में एकत्रित अतिरिक्त पानी को दक्षिण-पूर्वी राजस्थान और मध्य प्रदेश के क्षेत्रों में ले जाया जाएगा।
- **लाभान्वित जिले** : राजस्थान के 17 (40 प्रतिशत आबादी) और मध्य प्रदेश के 13 जिले।
- **राजस्थान** : ब्यावर, अजमेर, जयपुर, कोटपूतली-बहरोड़, खैरथल-तिजारा, अलवर, डीग, भरतपुर, दौसा, करौली, सवाई माधोपुर, टोंक, बूंदी, कोटा, बारों, झालावाड़।



--:10:--

Daily Current Affairs

Date : 12 November, 2025



- **पेयजल** : परियोजना में आवंटित पानी का लगभग 44 प्रतिशत हिस्सा पेयजल के लिए रखा गया है।
 - **सिंचाई** : संशोधित पी.के.सी. परियोजना में राजस्थान सरकार द्वारा प्रस्तावित सिंचित क्षेत्र को बढ़ाकर 4 लाख 3 हजार हेक्टेयर कर दिया गया। (नया सिंचाई क्षेत्र : 2.5 हेक्टेयर तथा सिंचाई हेतु अतिरिक्त : 1.5 हेक्टेयर)
 - **परियोजना की लागत** : 70 हजार करोड़ रुपये।
 - **सहयोग हिस्सा** ; 90 (केंद्र) : 10 (राज्य)
 - **कुल लंबाई** : 1268 किमी.
 - **लक्ष्य** : इस परियोजना का लक्ष्य 4102 मिलियन क्यूबिक मीटर जल उपलब्ध कराना है, जिसमें 522 एमसीएम पुनर्नवीनीकृत जल भी शामिल है।
- 5 बैराज + 2 बाँध प्रस्तावित :**

बैराज		
बैराज	नदी	अवस्थिति
रामगढ़ बैराज	कुल नदी	किशनगंज, बारा
महलपुर बैराज	पार्वती नदी	मांगरोल, बारा
मेज बैराज	मेज नदी	इंद्रगढ़, बूंदी
नवनेरा बैराज	कालीसिंध	दीगोद, कोटा
नीमोद राठौड़ बैराज	बनास नदी	चौथ का बरवाड़ा, सवाई माधोपुर
बाँध		
डूंगरी बाँध	बनास नदी	सवाई माधोपुर
ईसरदा बाँध	बनास नदी	सवाई माधोपुर

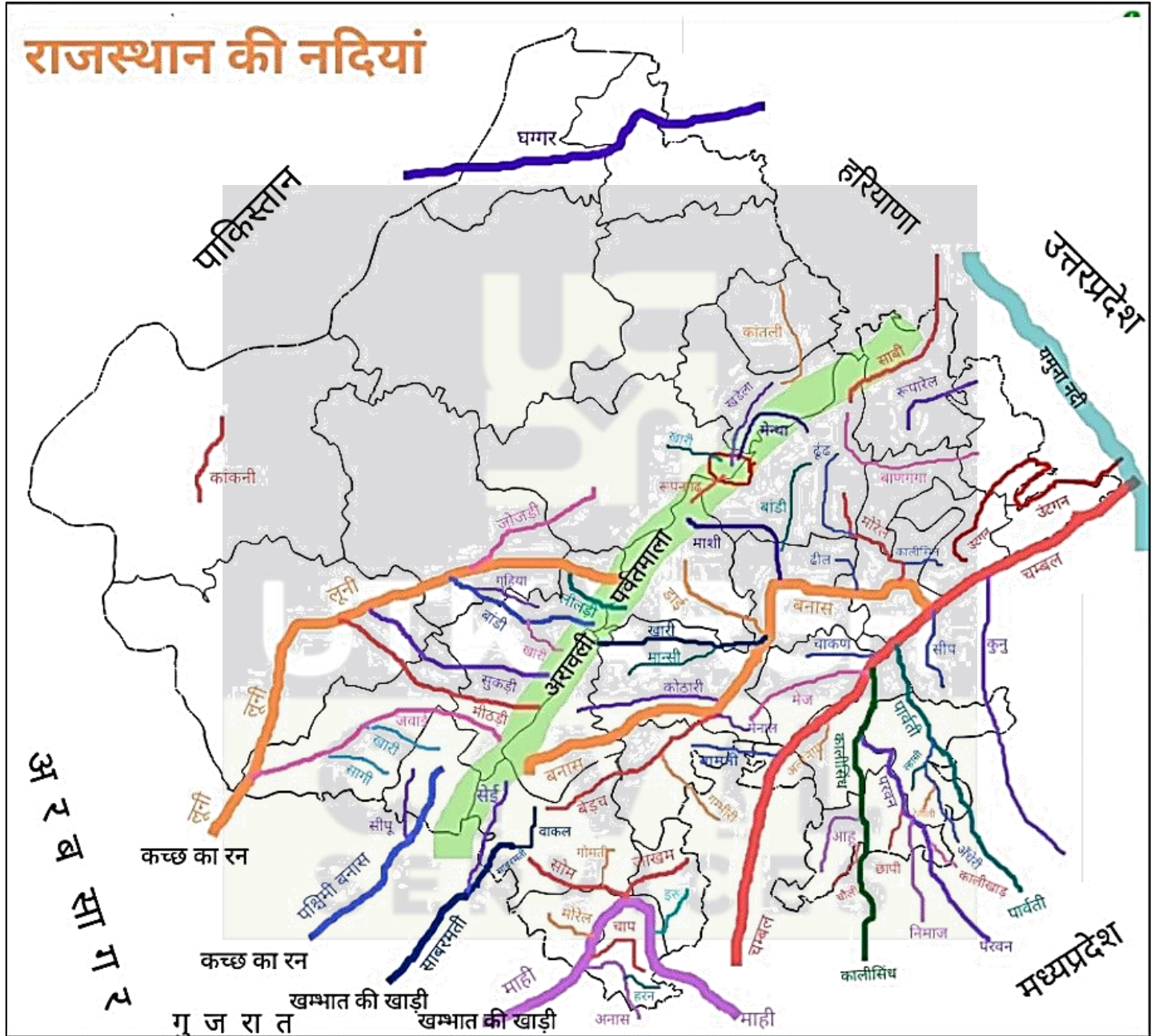
-:11:-

Daily Current Affairs

Date : 12 November, 2025



राजस्थान की प्रमुख नदियाँ :



--:12:--

राजस्थान राज्य महिला नीति 2021 : जेण्डर संवेदनशीलता मॉड्यूल का विकास

चर्चा में क्यों?

- 11 नवम्बर, 2025 को महिला अधिकारिता निदेशालय द्वारा राजस्थान राज्य महिला नीति, 2021 के अन्तर्गत जेण्डर संवेदनशीलता विषय पर विकसित मॉड्यूल पर विभिन्न विभागों के प्रतिनिधियों तथा प्रशिक्षण संस्थानों के प्रशिक्षकों के आमुखीकरण हेतु एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन रीपा परिसर जयपुर में किया गया।





मुख्य बिन्दु:

- यूनीसेफ के तकनीकी सहयोग एवं कालीबाई भील महिला एवं बाल विकास शोध संस्थान के माध्यम से विकसित इस मॉड्यूल पर आमुखीकरण हेतु कार्यशाला में विभिन्न विभागों के अधिकारीगण तथा प्रशिक्षण संस्थानों के प्रशिक्षक/प्रतिनिधि सम्मिलित हुए।
- कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य समाज में जेण्डर के प्रति संवेदनशीलता और जागरूकता को बढ़ावा देना है।
- इस कार्यक्रम में राजस्थान राज्य महिला नीति, 2021 में सम्मिलित जेण्डर संवेदनशील वातावरण विकसित करने के उद्देश्य से जेण्डर संवेदनशीलता के सन्दर्भ में राजस्थान की वर्तमान स्थिति तथा इसकी पूर्ति हेतु विभाग द्वारा किये जा रहे विभिन्न कार्यों के साथ इस मॉड्यूल पर PPT के माध्यम से प्रस्तुतिकरण दिया गया।

अन्य महत्त्वपूर्ण बिन्दु :

- अप्रैल 2021 में, राजस्थान राज्य मंत्रिमंडल ने वर्ष 2000 में पहली राज्य महिला नीति प्रकाशित होने के बाद से, स्थिति में व्यापक बदलाव को शामिल करते हुए, राजस्थान महिला नीति 2021 को मंजूरी दी, इसके अतिरिक्त, नई नीति में संयुक्त राष्ट्र के सतत् विकास लक्ष्यों 2030 को भी ध्यान में रखा गया है।

उद्देश्य :

- लैंगिक समानता सुनिश्चित करना, महिलाओं के लिए सौहार्दपूर्ण और हिंसा मुक्त वातावरण बनाना।
- महिलाओं के लिए स्वास्थ्य, शिक्षा और सुरक्षा सुनिश्चित करना।
- संस्थाओं और सरकार में लैंगिक संवेदनशीलता पैदा करना।
- रोजगार और स्वरोजगार के अवसरों के साथ सभी क्षेत्रों में महिलाओं की भागीदारी को बढ़ावा देना।

Daily Current Affairs

Date : 12 November, 2025



- लिंग संवेदनशील बजट को बढ़ावा देना।
- नई नीति में महिलाओं को न केवल उनकी जाति और सामाजिक स्थिति (जैसे अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, आदिम जनजाति, खानाबदोश, अल्पसंख्यक और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग) के आधार पर विभिन्न समूहों में वर्गीकृत किया गया है, बल्कि उनके व्यवसाय के स्वरूप के आधार पर भी वर्गीकृत किया गया है। असंगठित क्षेत्र में कार्यरत महिलाएँ, प्रवासी श्रमिक, सिलिकोसिस पीड़ित, एकल, निराश्रित आदि।



-:15:-

60 वीं स्टेट जियोलोजिकल प्रोग्रामिंग बोर्ड : मिनरल अन्वेषण

चर्चा में क्यों?


- 11 नवम्बर, 2025 को स्टेट जियोलोजिकल प्रोग्रामिंग बोर्ड की बैठक में आगामी वर्ष के मिनरल अन्वेषण कार्यों को अनुमोदित किया गया।



मुख्य बिन्दु:

- क्रिटिकल, स्ट्रेटेजिक व रेयर अर्थ एलिमेंट खनिजों की दृष्टि से राजस्थान देश का प्रमुख खनिज संपदा वाला प्रदेश है।
- राजस्थान में क्रिटिकल मिनरल की दृष्टि से सिवाणा रिंग क्षेत्र संभावनाओं से भरा इलाका है और इसके साथ ही सीकर के रोहिला सहित आसपास के क्षेत्र में यूरेनियम के भण्डार उपलब्ध है। बांसवाड़ा के आसपास के क्षेत्र में एसोसिएटेड आयरन मिनरल सहित गोल्ड के भण्डार उपलब्ध है। बीकानेर-नागौर बेल्ट में पोटेश के भण्डार है।
- आगामी वर्ष 2026-27 में राजस्थान के खान विभाग द्वारा लाइमस्टोन, डेकोरेटिव स्टोन, फ़ैरस मेटल, REE, औद्योगिक खनिजों सहित अन्य खनिजों की खोज की 37 परियोजनाओं पर एक्सप्लोरेशन का कार्य किया जाएगा।
- GSI प्रदेश में खनिज अन्वेषण की 80 परियोजनाओं पर कार्य करेगा, जिसमें 40 से 42 परियोजनाएँ क्रिटिकल और स्ट्रेटेजिक मिनरल की शामिल की गई है।
- राजस्थान माइनिंग सेक्टर में आज देश का अग्रणी प्रदेश हो गया है और मेजर मिनरल ब्लॉकों के ऑक्शन में पहला स्थान प्राप्त करने के साथ ही 8 प्री एम्बेडेड ब्लॉकों की ऑक्शन प्रक्रिया शुरू कर नया माइलस्टोन बनने जा रहा है।

✂ न्यूज़ इन शॉर्ट्स ⚡

क्र. सं.	न्यूज़
1.	<p>'चरागाह प्रबंधन एवं विलायती बबूल उन्मूलन' पर राज्य स्तरीय कार्यशाला</p>  <ul style="list-style-type: none">■ आयोजन : 11 नवम्बर, 2025 को प्रदेश में विलायती बबूल (प्रोसोपिस जुलिफोरा) के संपूर्ण उन्मूलन के लिए जयपुर के दुर्गापुरा स्थित महाराणा प्रताप ऑडिटोरियम में 'चरागाह प्रबंधन एवं विलायती बबूल उन्मूलन' विषय पर राज्य स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।■ उद्देश्य : चरागाह संरक्षण एवं पुनर्स्थापना, विलायती बबूल का समूल उन्मूलन, जैव विविधता संरक्षण करना।■ स्थानीय स्तर पर पारंपरिक वनस्पतियों को बढ़ावा देने के लिए राज्य में 150 बीज बैंक स्थापित किए हैं।

2.

राजस्थान इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल (रिफ)



- **आयोजन :** 31 जनवरी से 4 फरवरी, 2026 तक ब्लू सिटी मॉल, जोधपुर में आयोजित किया जाएगा।
- **संस्करण :** 12वां
- **वर्ष 2025 की थीम :** 'सिनेमास्थान-आपका लेंस, हमारा राजस्थान'
- पांच दिवसीय फेस्टिवल में फिल्म प्रदर्शन, ओपन फोरम, टॉक शो, कार्यशालाएँ, प्रदर्शनी, ब्लैक बॉक्स रिफ फिल्म मार्केट और कई अन्य कार्यक्रम होंगे।

3.

चरक पुरस्कार, 2025 : डॉ. हर्ष पांडे



- नेशनल अवॉर्ड फॉर एक्सीलेंस इन क्लिनिकल डेंटिस्ट्री समारोह में उत्कृष्ट उपलब्धि के लिए डॉ. हर्ष पांडे को चरक अवॉर्ड फॉर एक्सीलेंस इन ऑर्थोडेंटिक्स से सम्मानित किया गया।
- **समारोह:** जियो वर्ल्ड सेंटर, मुंबई।

--:18:--

4.

अंतरराष्ट्रीय एस्ट्रो वास्तु कॉन्फ्रेंस, 2025



- **आयोजन :** नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ आयुर्वेद परिसर, जयपुर।
- **आयोजक :** ऋषि दर्शन एस्ट्रो रिसर्च इंस्टीट्यूट
- बौद्धिक एवं आध्यात्मिक सत्रों में ज्योतिष-विज्ञान, वास्तु ऊर्जा संतुलन, मन और चेतना पर ग्रह ऊर्जा के प्रभाव तथा धर्म-आधारित जीवनशैली जैसे विषयों पर गहन विमर्श हुआ, सम्मेलन का विशेष आकर्षण नारी से शक्ति और शक्ति से समाज महिला सत्र रहा।

5.

पश्चिम-मध्य क्षेत्रीय युवा महोत्सव-2025

- **आयोजन :** 12 से 14 नवंबर, 2025 तक केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय परिसर, जयपुर।
- यह तीन दिवसीय महोत्सव संस्कृत भाषा, साहित्य, संस्कृति और खेल के क्षेत्र में युवा प्रतिभाओं को मंच प्रदान करेगा।

6.

आभा आईडी का उपयोग अनिवार्य, राजस्थान देश में तीसरे स्थान पर

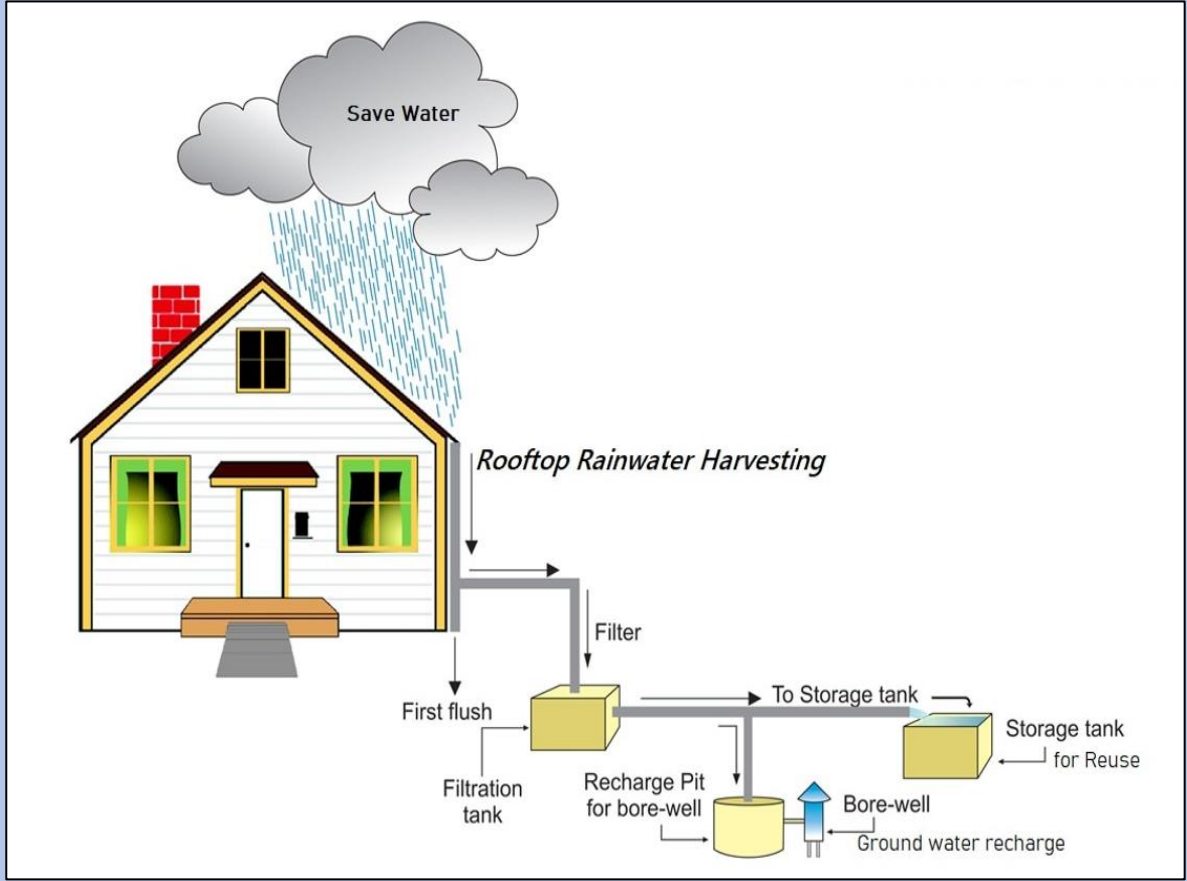


- चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री के निर्देशन में राज्य में प्रत्येक नागरिक को बेहतर, पारदर्शी और डिजिटल स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान करने के उद्देश्य से इंटीग्रेटेड हेल्थ मैनेजमेंट सिस्टम (IHMS) में आयुष्मान भारत हेल्थ अकाउंट (आभा आईडी) के उपयोग को अनिवार्य कर दिया गया है।
- अब प्रदेश में हर आदमी का हेल्थ रिकार्ड मोबाइल पर मिल सकेगा।
- सरकार ने 100 प्रतिशत लोगों के आभा कार्ड बनाने का लक्ष्य दिया है।
- राजस्थान में अब तक 6.35 करोड़ लोगों के आभा कार्ड बनाए जा चुके हैं। कार्ड बनाने में प्रदेश देश में तीसरे स्थान पर हैं।
- **महत्त्व** : इस निर्णय से हर नागरिक को "एक देश, एक स्वास्थ्य आईडी" के सिद्धांत के तहत गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ मिल सकेगा।
- **आभा आईडी (आयुष्मान भारत हेल्थ अकाउंट)** : प्रत्येक नागरिक की एक विशिष्ट डिजिटल पहचान संख्या है, जो उसके सभी स्वास्थ्य रिकॉर्ड को एक ही स्थान पर सुरक्षित रखती है। इसके माध्यम से नागरिक अपने स्वास्थ्य से संबंधित जानकारी को कभी भी, कहीं से भी देख सकते हैं और डॉक्टर से उपचार के समय अपनी सहमति से यह जानकारी साझा कर सकते हैं।

--:20:--

7.

EAR का वाटर हार्वेस्टिंग के लिए स्पेस से समझौता



- द एम्प्लायर्स एसोसिएशन ऑफ राजस्थान (EAR) ने वाटर हार्वेस्टिंग के लिए गुजरात की कंपनी स्पेस एलिमेंट से समझौता किया है।
- समझौते के तहत सीमेंट और कंक्रीट के स्थान पर प्लास्टिक फाइबर से बने प्लांट लगाए जाएंगे।

8.

44वीं जूनियर नेशनल शूटिंगबॉल चैम्पियनशिप

- गाजियाबाद, यूपी में आयोजित 44वीं जूनियर नेशनल शूटिंगबॉल चैम्पियनशिप में राजस्थान गर्ल्स टीम ने कांस्य पदक जीता।
- राजस्थान गर्ल्स टीम ने दिल्ली को हराते हुए तीसरा स्थान प्राप्त किया।
- वहीं राजस्थान बॉयज टीम चौथे स्थान पर रही।

--:21:--

9.

लाभकैलक : राजस्थान का पहला इंसेंटिव कैलकुलेटर

लाभकैलक: राजस्थान का पहला
इंसेंटिव कैलकुलेटर

रिप्स 2024 के तहत निवेश की योजना में पारदर्शिता और
नवाचार की नई शुरुआत

राज्य में ईज ऑफ डूइंग बिजनेस को बढ़ाने
के उद्देश्य से किया तैयार

निवेशकों को सही निर्णय लेने में करता है मदद

RajGovOfficial

- **उद्देश्य** : निवेशकों को राजस्थान निवेश प्रोत्साहन योजना (RIPS) 2024 के तहत मिलने वाले इंसेंटिव्स (प्रोत्साहन लाभ) का अनुमान लगाने में सहायता करना।
- नए उद्योग लगाने या मौजूदा इकाई का विस्तार करने वाले निवेशकों को लाभ की जानकारी देना।

-:22:-



अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य



क्रिसमस द्वीप



चर्चा में क्यों?

- गूगल, ऑस्ट्रेलिया के क्रिसमस द्वीप पर एक विशाल कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) डेटा केंद्र बनाने की योजना बना रहा है।



मुख्य बिन्दु:

क्रिसमस द्वीप

- **अवस्थिति:** हिंद महासागर में तथा ऑस्ट्रेलियाई मुख्य भूमि से 1500 किलोमीटर उत्तर-पश्चिम में। इसे "हिंद महासागर का गैलापागोस" भी कहा जाता है।
- क्रिसमस द्वीप सुंडा जलडमरूमध्य, लोम्बोक जलडमरूमध्य और मलक्का जलडमरूमध्य की निगरानी के लिए उत्तम स्थिति में है।

रिफ्ट वैली फीवर (RVF)

चर्चा में क्यों?

- हाल ही में, विश्व स्वास्थ्य संगठन ने पश्चिमी अफ्रीका के मॉरितानिया और सेनेगल को प्रभावित करने वाले RVF के प्रकोप की पुष्टि की।

मुख्य बिन्दु:

- **उत्पत्ति:** इसका नाम केन्या की रिफ्ट वैली से लिया गया है, जहाँ 1930 के दशक की शुरुआत में इस रोग की पहचान की गई थी।
- **कारण:** यह फेनुविरिडे कुल से संबंधित एक विषाणु फ्लेबोवायरस के कारण होता है।

संचरण:

- यह मुख्य रूप से जानवरों को प्रभावित करता है।
- मनुष्य संक्रमित जानवरों के निकट संपर्क में आने से या संक्रमित मच्छरों के काटने से संक्रमित होते हैं।
- यह रोग एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में नहीं फैलता है।
- **उपचार:** वर्तमान में, कोई विशिष्ट एंटीवायरल उपचार उपलब्ध नहीं है। हालांकि, जानवरों के लिए टीके मौजूद हैं।

पर्यावरण एवं पारिस्थितिकी

मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल

चर्चा में क्यों?

- ओज़ोन परत को नष्ट करने वाले पदार्थों पर मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल के पक्षकारों की 37वीं बैठक (MOP-37) संपन्न हुई।

मुख्य बिन्दु:

- इस बैठक में कई मुद्दों पर प्रकाश डाला गया जैसे- हाइड्रोफ्लोरोकार्बन (HFCs) उत्सर्जन में रिपोर्ट किए गए और मापन किए गए डेटा के बीच विसंगति, कई क्षेत्रों में वायुमंडलीय निगरानी स्टेशनों की कमी आदि।

मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल

- **हस्ताक्षरित:** वर्ष 1987
- यह ओज़ोन क्षयकारी पदार्थों (Ozone Depleting Substances - ODS) के उत्पादन और उपयोग को समाप्त करने के लिए एक वैश्विक, कानूनी रूप से बाध्यकारी संधि है।
- इसे वियना अभिसमय के तहत लागू किया गया है। वियना अभिसमय को वर्ष 1985 में अपनाया गया था।
- **मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल में किगाली संशोधन:** इसे वर्ष 2016 में हाइड्रोफ्लोरोकार्बन (HFCs) के उत्पादन व उपयोग को चरणबद्ध तरीके से समाप्त करने के लिए अपनाया गया था। HFCs एक ग्रीनहाउस गैस है, जिसका उपयोग Ozone Depleting Substances - ODS के विकल्प के रूप में किया जाता है। HFCs ओज़ोन क्षयकारी पदार्थ नहीं है।

जलवायु निवेश कोष (CIF)

चर्चा में क्यों?

- स्पेन और जर्मनी ने CIF के 'एक्सीलरेटिंग रेजिलिएंस इन्वेस्टमेंट्स एंड इनोवेशंस फॉर सस्टेनेबल इकोनॉमीज (ARISE)' के लिए 100 मिलियन डॉलर देने की प्रतिबद्धता प्रकट की। यह प्रतिबद्धता ब्राजील में आयोजित हो रहे UNFCCC के COP-30 के दौरान प्रकट की गई है।

मुख्य बिन्दु:

- **ARISE का उद्देश्य:** विकासशील देशों की "जलवायु जोखिम को अवसर में बदलने" और अर्थव्यवस्थाओं की "अनुकूलन क्षमता" को मजबूत करने में मदद करना।

जलवायु निवेश कोष (CIF)

- **स्थापना:** वर्ष 2008
- **परिचय:** यह एक बहुपक्षीय जलवायु कोष है, जो 70 से अधिक निम्न और मध्यम आय वाले देशों में जलवायु कार्रवाई को सक्षम बनाता है।

महत्त्वपूर्ण योजनाएँ

फार्मा-मेडटेक क्षेत्रक में अनुसंधान और नवाचार को संवर्धन (PRIP) योजना

चर्चा में क्यों?

- केंद्र ने फार्मा एवं मेडटेक में अनुसंधान एवं नवाचार को संवर्धन (PRIP) योजना के लिए आवेदन करने की अंतिम तिथि बढ़ा दी।

मुख्य बिन्दु:

PRIP योजना

- **प्रारंभकर्ता:** रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय के तहत औषध विभाग।
- **उद्देश्य:** फार्मा और मेडटेक क्षेत्रक में अनुसंधान एवं विकास के लिए भारत को एक वैश्विक केंद्र बनाना।

डंपसाइट रीमेडिएशन एक्सेलरेटर प्रोग्राम

चर्चा में क्यों?

- डंपसाइट रीमेडिएशन एक्सेलरेटर प्रोग्राम (DRAP) को स्वच्छ भारत मिशन-शहरी 2.0 के तहत शुरू किया गया है। यह लगभग एक वर्ष तक चलने वाली लक्षित पहल है। इसे सितंबर 2026 तक "लक्ष्य ज़ीरो डंपसाइट्स" का उद्देश्य पूरा करने के लिए शुरू किया गया है।

मुख्य बिन्दु:

- स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) 2.0 को 2021 में शुरू किया गया था। इसका उद्देश्य सभी शहरों के लिए कचरा-मुक्त का दर्जा सुनिश्चित करना है।
- इस मिशन का एक अन्य उद्देश्य सभी पुराने कूड़े के ढेर वाले स्थलों की सफाई करना और उन्हें हरित क्षेत्रों में बदलना है।
- **मंत्रालय:** केंद्रीय आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय

महत्त्वपूर्ण सूचकांक एवं रिपोर्ट

आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (पीएलएफएस) रिपोर्ट

चर्चा में क्यों?

- श्रम ब्यूरो द्वारा जुलाई-सितंबर 2025 तिमाही के लिए आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (पीएलएफएस) आयोजित किया गया था।

मुख्य बिन्दु:

- बेरोजगारी दर: जुलाई-सितंबर, 2025 में पिछली तिमाही के 5.4% से घटकर 5.2% हो गई।
- ग्रामीण: इस अवधि में यह 4.8% से घटकर 4.4% हो गया।
- शहरी: पुरुषों के लिए 6.1% से बढ़कर 6.2%, तथा महिलाओं के लिए 8.9% से बढ़कर 9.0% हो गया।

रोजगार पैटर्न:

- ग्रामीण क्षेत्र: स्व-रोज़गार का प्रभुत्व - 60.7% से बढ़कर 62.8% हो गया। मौसमी गतिविधियों के कारण, कृषि क्षेत्र में अधिकांश लोग कार्यरत हैं - 57.7% (53.5% से बढ़कर)।
- शहरी क्षेत्र: नियमित वेतन/वेतनभोगी रोज़गार थोड़ा बढ़कर 49.8% (49.4% से) हो गया। कार्यबल तृतीयक क्षेत्र में केंद्रित था - 62.0% (61.7% से)।

श्रम बल भागीदारी दर (एलएफपीआर):

- समग्र एलएफपीआर: 55.1%
- ग्रामीण एलएफपीआर: 57.2%
- शहरी एलएफपीआर: 50.7%
- महिला एलएफपीआर: 33.7%

Daily Current Affairs

Date : 12 November, 2025



- ग्रामीण महिला एलएफपीआर: 37.5%
- तिमाही के दौरान देश में 15 वर्ष और उससे अधिक आयु के व्यक्तियों के लिए श्रमिक जनसंख्या अनुपात (डब्ल्यूपीआर) 52.2% था।
- ग्रामीण क्षेत्रों में WPR 54.7% थी, जबकि इसी तिमाही में शहरी क्षेत्रों में WPR 47.2% दर्ज की गई।

निष्कर्ष:

- कृषि और स्वरोजगार के कारण ग्रामीण रोजगार में सुधार हुआ।
- शहरी रोजगार स्थिर रहा, वेतनभोगी नौकरियों में मामूली वृद्धि हुई।
- श्रम बल में महिलाओं की भागीदारी में धीरे-धीरे वृद्धि देखी गई।
- समग्र बेरोजगारी में कमी आई, जो श्रम बाजार में मध्यम सुधार को दर्शाती है।

UTKARSH

CIVIL
SERVICES

--:30:--

सैन्य अभ्यास

मालाबार अभ्यास

चर्चा में क्यों?

- आईएनएस सह्याद्रि मालाबार नौसैनिक अभ्यास के 29वें संस्करण में भाग ले रहा है। यह अभ्यास पश्चिमी प्रशांत महासागर में स्थित अमेरिकी सामरिक सैन्य अड्डे गुआम में आयोजित किया जा रहा है।

मुख्य बिन्दु:

- **उद्देश्य:** हिंद-प्रशांत क्षेत्र में सहयोग और सुरक्षा को मजबूत करना।
- **भागीदार देश:** भारत, ऑस्ट्रेलिया, जापान और संयुक्त राज्य अमेरिका।

मित्र शक्ति अभ्यास

चर्चा में क्यों?

- भारत-श्रीलंका संयुक्त सैन्य अभ्यास मित्र शक्ति 2025 का 11वां संस्करण कर्नाटक के बेलगाँव में शुरू हुआ।

मुख्य बिन्दु:

- यह भारतीय थल सेना और श्रीलंकाई थल सेना के बीच एक द्विपक्षीय वार्षिक संयुक्त सैन्य अभ्यास है।
- इसे बारी-बारी से भारत और श्रीलंका द्वारा आयोजित किया जाता है।

UTKARSH

CIVIL SERVICES

व्यक्तित्व

वी. राजारमन: भारत की प्रोग्रामिंग क्रांति के वास्तुकार

चर्चा में क्यों?

- भारत में कंप्यूटर विज्ञान शिक्षा की स्थापना में मदद करने वाले अग्रणी इंजीनियर और शिक्षाविद प्रोफेसर वैद्येश्वरन राजारमन का निधन हो गया।

मुख्य बिन्दु:

- **जन्म:** तमिलनाडु
- वह एक अग्रणी कंप्यूटर वैज्ञानिक और शिक्षक थे, जिन्होंने भारत के सॉफ्टवेयर प्रोग्रामिंग और सेवा क्षेत्र को आकार देने में एक आधारभूत भूमिका निभाई।
- उनकी विरासत एनालॉग मशीनों से लेकर सुपर कंप्यूटर तक फैली हुई है।
- भटनागर पुरस्कार विजेता राजारमन को 1998 में पद्म भूषण से सम्मानित किया गया था।